AUDITING

B.Com. Honours Part-1 Paper-2

Topic *– Necessity, Objectives & Importance of Depreciation*

By- Dr. Jitendra Kumar

P.G. Dept. of Commerce & Business Management

H.D. Jain College, Ara, Bhojpur, Bihar- 802301

ह्रास की आवश्यकता, उद्देश्य एवं महत्व (Necessity, Objectives and Importance of Depreciation)

ह्रास के मुख्य उद्देश्य एवं महत्व निम्नलिखित हैं—

1. पूँजी क्षरण पर रोक (Prevention of Capital Erosion) — ह्रास का प्रावधान नहीं करने से संस्था का लाभ बढ़ जाता है जिसका वितरण भी अंशधारियों को होने लगता है। इस प्रकार धीरे-धीरे संस्था की पूँजी का क्षरण (कमी) होने लगता है। इस प्रकार पूँजी घटना को रोकने के लिए ह्रास का प्रावधान/आयोजन करना एक महत्वपूर्ण कार्य हो जाता है।
2. उत्पादन लागत की सही जानकारी (Perfect Knowledge of the Cost of Production) — संस्था में वस्तुओं के उत्पादन में स्थायी सम्पत्तियों का भी योगदान रहता है। उत्पादित वस्तु की सही-सही लागत की जानकारी के लिए स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए।
3. सही लाभ की जानकारी (Knowledge of Accurate Profit) — ह्रास का आयोजन करना एक आवश्यक कार्य हो जाता है। ह्रास के आयोजन के अभाव में सही-सही लाभ एवं हानि की जानकारी नहीं हो सकती है।

4. वास्तविक स्थिति का सही प्रदर्शन करना (Perfect Presentation of Balance Sheet) — यदि सम्पत्तियों पर ह्रास का आयोजन किया नहीं किया जाय तो Balance Sheet में सम्पत्ति प्रारम्भिक मूल्य पर दिखाई जायेगी, परन्तु सम्पत्ति का वास्तविक मूल्य इससे कम होगा। ऐसी स्थिति में चिट्ठा व्यवसाय की सत्य एवं सही आर्थिक स्थिति प्रस्तुत नहीं करेगा। अतः ह्रास का आयोजन एक आवश्यक कार्य है।

5. सम्पत्ति का पुनर्स्थापन (Replacement of Assets) — सम्पत्ति पुरानी एवं बेकार हो जाने पर उसे प्रतिस्थापित करने के लिए धन की आवश्यकता होती है जिसकी पूर्ति के लिए प्रतिवर्ष कुछ ह्रास के रूप में आयोजन करना एक महत्वपूर्ण कार्य हो जाता है।

6. कर-भार में वृद्धि (Increase in Tax Liability) — व्यवसाय में स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास का आयोजन नहीं करने से लाभ की मात्रा अनावश्यक रूप से बढ़ जाती है, जिसके फलस्वरूप व्यवसाय को अधिक कर (Tax) चुकाना पड़ता है। इस दृष्टिकोण से भी ह्रास का आयोजन एक आवश्यक कार्य हो जाता है।

7. ऋणदाताओं पर प्रभाव (Effect on Creditors) - निवेश की सम्पत्तियाँ ऋणदाताओं के लिए जमानत का काम करती हैं। अतः यदि सम्पत्ति पर ह्रास न लगाया जाय तो सम्पत्ति वास्तविक लागत से अधिक पर दिखाई जायेगी और इस प्रकार ऋणदाताओं के साथ धोखा किया जायेगा।

8. अन्य उद्देश्य (Other Objectives) —
a. उत्पादों के मूल्यों को स्थिर रखना
b. निर्धारित वेतन का भुगतान किया जाना
c. अंशधारियों तथा कर्मचारियों को लाभ-हानि की सही जानकारी प्रस्तुत करना
d. ~~अधिक~~ गुप्त संचिति की प्रवृत्ति को दूर करना क्योंकि लागत एवं अधिक मानार्जन से छिपाना भी गुप्त संचिति की प्रवृत्ति बढ़ने लगती है।

—